विभिन्न सेक्टरों में सिटी बस सेवा शुरू

जागरण प्रभाव

एनएमआरसी द्वारा सेक्टर-100 स्थित सेंचुरी अपार्टमेंट के बाहर से सिटी बस सेवा शुरू की गई, इस दौरान मौजूद आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पवन यादव (बाएं से) ● जागरण

जागरण संवाददाता, नोएडा: शहर के विकास के लिए जरूरी है कि सभी सेक्टरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बेहतर व्यवस्था हो। हर सेक्टर में रोडवेज की बस उपलब्ध हो। पब्लिक ट्रांसपोर्ट की समुचित व्यवस्था हो तभी लोग आसानी से आवाजाही कर सकते हैं। शहर में कई सेक्टर हैं, जहां लाखों लोगों की आबादी है। लेकिन ट्रांसपोर्ट के मामले में यहां कोई व्यवस्था नहीं की गई। निवासी करीब 3 सालों से सेक्टर-99, 100, 104, 107, 46, 47, 48, व 45 में सिटी बसें चलाने को लेकर मांग कर रहे थे।

दैनिक जागरण की ओर से 26 अप्रैल को सिटी बस सेवा से जोड़ने की मांग शीर्षक से समाचार प्रकाशित होने पर खबर को संज्ञान में लिया गया, जिसके बाद शुक्रवार से एनएमआरसी की ओर से इस रूट पर बस सेवा प्रारंभ कर दी गई है। सेक्टर-100 स्थित सेंचुरी अपार्टमेंट आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पवन यादव ने बताया कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट न होने के कारण आमजन को निजी टैंपो व टैक्सी के माध्यम से शहर के प्रमुख स्थानों पर आना जाना पड़ता था।

यहां न कोई ऑटो न बस आती जाती थी। इस संबंध में नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन व प्राधिकरण के अधिकारियों से कई बार मांग कर चुके थे। दैनिक जागरण की ओर से समस्या को प्रमुखता से उठाया गया, जिसके बाद अधिकारियों की ओर से इसे गंभीरता से लिया गया। उन्होंने बताया कि इस बस सेवा से दर्जनों सेक्टरों व गांव के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा।

राजस्व बढ़ाने में जुटा एनएमआरसी

सेक्टर-137 स्थित एक्वा लाइन मेट्रो स्टेशन ● फाइल फोटो

जागरण संवाददाता, नोएडा : नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) एक्वा लाइन पर स्थित स्टेशनों की को-ब्रांडिंग के जरिए रकम जुटाने में जुट गया है। यह प्रक्रिया बिड के जरिए की जा रही है। ऐसे में जो कंपनी बिड हासिल करेगी, उसे स्टेशन के नाम का अधिकार दिया जाएगा। यह अधिकार कंपनी को पांच साल के लिए दिया जाएगा। इसके लिए कंपनी को एकमुश्त राशि एनएमआरसी के खाते में जमा करानी होगी। इससे राजस्व में बढ़ोतरी के साथ मेट्रो का संचालन किया जाएगा। वर्तमान में एनएमआरसी ने अब तक पांच स्टेशनों की को-ब्रांडिंग की है। बताया गया कि इन पांचों स्टेशनों से प्रति वर्ष करीब 5.5 करोड़ रुपये का राजस्व एनएमआरसी को मिलेगा। इसके अलावा अब मेट्रो रेपिंग की जाएगी।

एनएमआरसी का संचालन 25 जनवरी को शुरू किया गया। संचालन के दौरान एक्वा लाइन से 13 हजार मुसाफिर सफर कर रहे थे। तीन माह में मुसाफिरों की संख्या में 30 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। यानी 13 हजार से बढ़कर मुसाफिरों की संख्या 17 हजार के आसपास पहुंच चुकी है। मुसाफिरों की संख्या को और बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि राजस्व में बढ़ोतरी की जा सके। इसके अलावा को-ब्रांडिंग के जरिए भी राजस्व में इजाफा किया जा रहा है। एनएमआरसी के कुल 21 मेट्रो स्टेशनों में पांच स्टेशनों की को-ब्रांडिंग की जा चुकी है। इसमें पहला नोएडा सेक्टर-137 है। इस स्टेशन पर को-ब्रांडिंग का अधिकार इंडिपेंडेंट न्यूज सर्विस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है।

इसी तरह नोएडा सेक्टर-142 स्टेशन का अधिकार एडवंट आइटी पार्क प्राइवेट लिमिटेड, नॉलेज पार्क-2 का अधिकार फ्रेंक एडवर्टाइजर, परी चौक का अधिकार जय प्रकाश एसोसिएट लिमिटेड व अल्फा-1 का अधिकार टूरस फिनिसिएल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है।

पांच स्टेशन का अलॉटमेंट निजी कंपनियों को को-ब्रांडिंग के लिए कर दिया गया है, चुनाव आचार संहिता खत्म होते ही फिर से टेंडर निकाला जाएगा, जिससे कंपनियों की ओर से को-ब्रांडिंग के लिए आवेदन किया जा सके। -पीडी उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, एनएमआरसी

राजस्व बढ़ाने को प्रयास

- स्टेशन और मेट्रो को फिल्म शूटिंग के लिए बुक करना
- मेट्रो रेपिंग के जरिये राजस्व में की जाएगी बढ़ोतरी
- एक्वा के एफओबी व कॉरिडोर पर हो सकता है विज्ञापन
- सेक्टर-94 में मेट्रो मॉल में विज्ञापन व दुकानों के जरिये राजस्व में बढ़ोतरी